श्री नामदेव जी महासमिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

अखिल भारतीय श्री नामदेव जी महासमिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के इस शपथ ग्रहण समारोह एवं सम्मेलन में आए हुए सभी लोगों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आज नए पदाधिकारियों ने श्री राम जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में शपथ ली है। मैं उन सभी पदाधिकारियों को साधुवाद देता हूं, बधाई देता हूं। हम पर भगवान विट्ठल जी की कृपा है। संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज ने अपनी वाणी, भक्ति, समर्पण और सेवा से काम किया है। जब भारत पर मुगल शासक आक्रमण कर रहे थे, तो वे भारत की आध्यात्मिक और संस्कृति को नष्ट कर रहे थे। उस समय संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज ने देश के अलग-अलग राज्यों और मुख्य रूप से महाराष्ट्र में उनकी भाषा और वाणी में जो भाव और भक्ति थी, उसमें भगवान विट्ठल जी का समर्पण है। उन्होंने संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम किया था।

मैं आज भी वही संस्कार समाज में देखता हूं। मेरा इस समाज से बहुत पुराना संबंध है। जब इस समाज के लोग आए थे, तो मेरा वहां पर 11:30 बजे कार्यक्रम है। मैंने कहा कि मैं सुबह जल्दी आ सकता हूं। मुझे लगा कि मैं चाय पीऊंगा और निकल जाऊंगा। आप 7:30 बजे से इतनी बड़ी संख्या में यहां पर पधारे हैं, आपका समर्पण, सेवा, त्याग, संत नामदेव जी के विचारों में, उनकी वाणी, उनका समर्पण और उनके संस्कारों के साथ यह समाज आगे बढ़ रहा है। इस समाज में सामाजिक एकता है, सामूहिकता है, वसुधैव कुटुम्बकम् की संस्कृति है। मुझे पता है कि छात्रावास बना है, उसके बाद आईआईटी बनी। इस समाज के लोग बहुत ज्यादा पैसे वाले नहीं हैं, लेकिन उस समय आपका संकल्प था कि हमें एक भवन बनाना है। आपने समाज के सामूहिक प्रयासों से कम समय में भवन भी बनाया। मैं देखता हूं कि समाज के सभी लोगों ने जो शपथ ली है, तो वे उसी तरह उसको निभाते भी हैं।

मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। यह भी मेरा परिवार है। मेरा इनसे निकट और आत्मीय संबंध है। मेरा हर व्यक्ति के साथ परिवार जैसा संबंध है। मैं कोटा में रहूं या कहीं अन्य जगह पर रहूं, मैं उस कार्यक्रम में जरूर जाता हूं। आप जिस तरीके का भरोसा और विश्वास करते हैं, मेरी कोशिश है कि आपके विश्वास और भरोसे को कायम रखूं। हम पर विट्ठल भगवान और संत नामदेव की कृपा बनी रहे। इसी तरह संत नामदेव जी के आध्यात्मिक विचार, वाणी, समर्पण और सेवा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लक्ष्य को पूरा करें।